पाठ 12. जेवलिन मैन–नीरज चोपड़ा

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को खेलों का महत्त्व बताना है। आज के युग में शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्त्व दिया जाता है। खेलों से भी प्रसिद्धि पाई जा सकती है।

पाठ का सारांश

इस पाठ में भारत के प्रसिद्ध एवं प्रतिभावान जेवलिन के खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का परिचय दिया गया है। नीरज चोपड़ा का जन्म 24 दिसंबर, 1997 को पानीपत जिले के खंडरा गाँव में एक साधारण परिवार में हुआ था। इनके पिता का मुख्य व्यवसाय खेती करना है। तेरह साल की उम्र में 75 किलो वजन होने के कारण गाँव के लड़के नीरज चोपड़ा का मज़ाक उड़ाते थे। इससे परेशान होकर परिवार ने 'ऑपरेशन नीरज फिटनेस' शुरू किया। उन्हें पानीपत के शिवाजी स्टेडियम में वजन कम करने के लिए भेजा गया। वहीं उन्होंने बिना किसी प्रशिक्षण के 40 मीटर से भी अधिक दूरी तक भाला फेंका। भाला फेंक खिलाड़ी जयवीर चौधरी ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी उठाई। चौबीस वर्ष की उम्र में 2021 ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर नीरज भारत के ट्रैक एंड फील्ड के पहले एथलीट बन गए। 2017 में वे एशियाई चैंपियन बने। 2024 में पेरिस ओलंपिक में नीरज ने रजत पदक जीतकर ओलंपिक खेलों में दो बार पदक जीतने का इतिहास रच दिया। उनकी उपलब्धियों के कारण उन्हें कई पुरस्कार एवं सम्मान दिए गए । 2022 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। खेल जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले नीरज को 'जेवलिन मैन ऑफ़ इंडिया' के नाम से जाना जाने लगा है।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व बच्चों को **पहले पहल** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। उन्हें नीरज चोपड़ा के बारे में बताएँ। प्रत्येक बच्चे से उसका पसंदीदा खेल पूछें। पाठ का वाचन करवाते समय बोध आधारित प्रश्न पूछें।
बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- ❖ उनका पसंदीदा खिलाड़ी कौन है?
- ❖ कुछ खिलाड़ियों के नाम बताने के लिए कहें।
- ❖ बच्चों से पूछें, वे अपने आपको स्वस्थ रखने के लिए क्या करते हैं?
- ❖ ओलंपिक खेलों के आयोजन में कितने समय का अंतराल होता है?
- ❖ बच्चों को खेलों का महत्त्व बताते हुए कड़ी मेहनत एवं लगन से काम करने की प्रेरणा दें।
- ❖ कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।